



|| श्री गणेशाय नमः ||

राशिफल

Samriddhi Thakre

31/01/2006 13:15

Chhindwara

द्वारा उत्पन्न



पुजारी जी

बुनियादी ज्योतिषीय विवरण

बुनियादी विवरण

जन्म की तारीख	31/01/2006
जन्म का समय	13:15
जन्म स्थान	Chhindwara
अक्षांश	22.057437
देशान्तर	78.9381729
समय क्षेत्र	5.5
अयनांश	23.946127765690658
सूर्योदय	06:58:00
सूर्यास्त	18:00:59

घटक चक्र

महीना	गुरु
तिथि	3 (undefined), 8 (undefined), 13 (undefined)
विपरीत लिंग लग्न	धनु
नक्षत्र	आर्द्र
भगवान	मंगल
समलिंगी लग्न	मिथुन
Tatva	अग्नि
रासी	धनु

पंचांग विवरण

तिथि	तृतीय
योग	वरियां
नक्षत्र	शतभिषा
करण	तैतुला

ज्योतिषीय विवरण

वर्ण	शूद्र
वास्या	मानव
योनि	घोड़ा
तिथि	शु. तृतीया
नक्षत्राधिपति	राहु
नक्षत्र	शतभिषा
प्रबल	वृषभ
Tatva	वायु
करण	तैतुला
नक्षत्र स्वामी	शनि
दलदल	तांबा
नाम वर्णमाला	गो
रासी	कुंभ
नाड़ी	वात

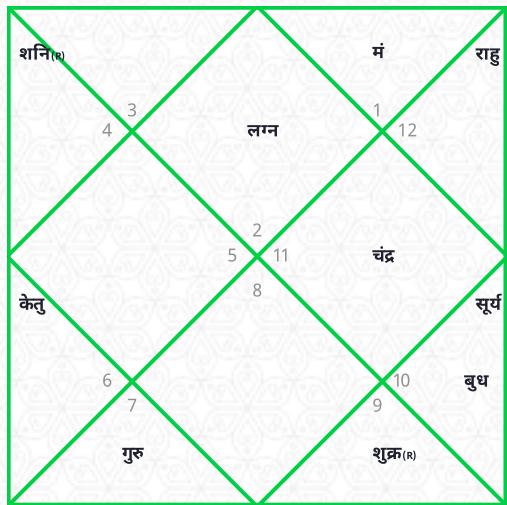
ग्रहों की स्थिति

ग्रहों	आर	संकेत	डिग्री	साइन लॉड	नक्षत्र	नक्षत्राधिपति	घर
लग्नेश		वृषभ	42.629624807181145	शुक्र	रोहिणी(1)	चंद्रमा	1
सूर्य		मकर	287.350785422669	शनि	श्रवण(3)	चंद्रमा	9
चंद्रमा		कुंभ	311.86872597519385	शनि	शतभिषा(2)	राहु	10
मंगल		मेष	27.811983560687782	मंगल	कृतिका(1)	सूर्य	12
बुध		मकर	290.5055602315199	शनि	श्रवण(4)	चंद्रमा	9
बृहस्पति		तुला	203.32013816399797	शुक्र	विशाखा(1)	बृहस्पति	6
शुक्र		धनु	262.26667958128706	बृहस्पति	पूर्वाषाढ़(3)	शुक्र	8
शनि		कैंसर	103.63760209144498	चंद्रमा	पुष्य(4)	शनि	3
राहु		मीन	343.46967705184295	बृहस्पति	उत्तराभद्र(4)	शनि	11
केतु		कन्या	163.46967705184298	बुध	हस्ता(2)	चंद्रमा	5

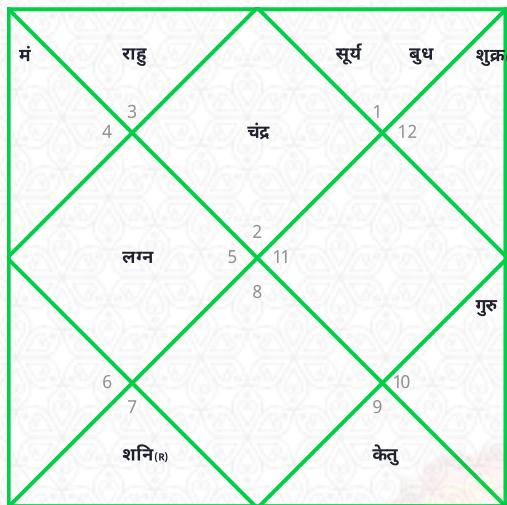
 सूर्य मकर श्रवण(3) लाभकारी	 चंद्रमा कुंभ शतभिषा(2) नुकसानदायक	 मंगल मेष कृतिका(1) मारक
 बुध मकर श्रवण(4) लाभकारी	 बृहस्पति तुला विशाखा(1) अत्यधिक नुकसानदायक	 शुक्र धनु पूर्वाषाढ़(3) लाभकारी
 शनि कैंसर पुष्य(4) योगकारक	 राहु मीन उत्तराभद्र(4) अशुभ	 केतु कन्या हस्ता(2) अशुभ

राशिफल चार्ट

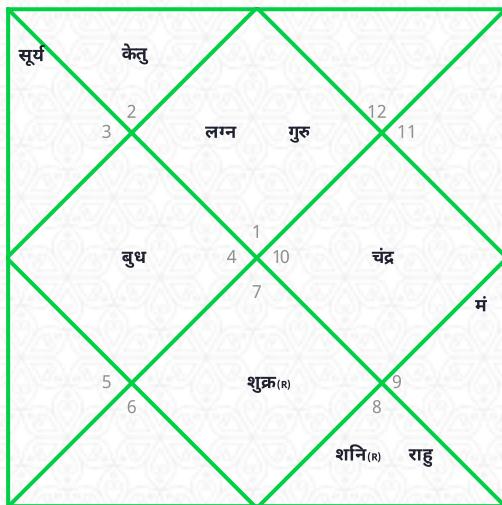
लग्न कुंडली (जन्म कुंडली)



लग्न या लग्न, उस राशि की डिग्री है जो जन्म के समय पूर्वी क्षितिज पर उदित हो रही है। लग्न जन्म कुंडली में सबसे प्रभावशाली और महत्वपूर्ण राशि है। इस राशि को कुंडली का पहला घर माना जाएगा और अन्य घरों की गणना राशि चक्र की बाकी राशियों के अनुसार क्रम से की जाएगी। इस प्रकार, लग्न न केवल उदीयमान चिन्ह को चित्रित करता है, बल्कि चार्ट के अन्य सभी घरों को भी चित्रित करता है।



चंद्र कुंडली



नवमांश चार्ट(D9)

चंद्र चार्ट भविष्यवाणी का एक महत्वपूर्ण उपकरण है और ग्रह संयोजनों के परिणाम तब अधिक प्रमुख होते हैं जब योग या कुछ संयोजन चंद्रमा और लग्न चार्ट दोनों में होते हैं।

नवमांश चार्ट सबसे महत्वपूर्ण मंडल चार्ट है, नवमांश का अर्थ है एक विशेष राशि के नौ भाग जिसमें प्रत्येक अम्सा में 3 डिग्री और 20 मिनट होते हैं।

समग्र मैत्री तालिका

स्थायी मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	--	--	--	--	--	--
चंद्रमा	--	--	--	--	--	--	--
मंगल ग्रह	--	--	--	--	--	--	--
बुध	--	--	--	--	--	--	--
बृहस्पति	--	--	--	--	--	--	--
शुक्र	--	--	--	--	--	--	--
शनि ग्रह	--	--	--	--	--	--	--

अस्थायी मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	दोस्त	--	दुश्मन	दोस्त	दोस्त	--
चंद्रमा	दोस्त	--	--	दोस्त	दुश्मन	दोस्त	--
मंगल ग्रह	दोस्त	दोस्त	--	दोस्त	दुश्मन	दुश्मन	--
बुध	दुश्मन	दोस्त	--	--	दोस्त	दोस्त	--
बृहस्पति	दोस्त	दुश्मन	--	दोस्त	--	दोस्त	--
शुक्र	दोस्त	दोस्त	--	दोस्त	दोस्त	--	--
शनि ग्रह	दुश्मन	दुश्मन	--	दुश्मन	दोस्त	दुश्मन	--

समग्र मैत्री तालिका

पांच प्रकार की मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	दोस्त	--	दुश्मन	दोस्त	दोस्त	--
चंद्रमा	दोस्त	--	--	दोस्त	दुश्मन	दोस्त	--
मंगल ग्रह	दोस्त	दोस्त	--	दोस्त	दुश्मन	दुश्मन	--
बुध	दुश्मन	दोस्त	--	--	दोस्त	दोस्त	--
बृहस्पति	दोस्त	दुश्मन	--	दोस्त	--	दोस्त	--
शुक्र	दोस्त	दोस्त	--	दोस्त	दोस्त	--	--
शनि ग्रह	दुश्मन	दुश्मन	--	दुश्मन	दोस्त	दुश्मन	--

विंशोत्तरी दशा - 1

राहु	
शनि	अक्टूबर 13 2001
शुक्र	जनवरी 27 2017
राहु	अक्टूबर 13 2001
बृहस्पति	मार्च 07 2004
शनि	जनवरी 11 2007
बुध	जुलाई 30 2009
केतु	अगस्त 17 2010
शुक्र	अगस्त 16 2013
सूर्य	जुलाई 11 2014
चंद्रमा	जनवरी 10 2016
मंगल	जनवरी 27 2017

बृहस्पति	
रवि	मार्च 17 2019
सोम	जनवरी 24 2033
बृहस्पति	मार्च 17 2019
शनि	सितंबर 27 2021
बुध	जनवरी 02 2024
केतु	दिसंबर 08 2024
शुक्र	अगस्त 08 2027
सूर्य	मई 26 2028
चंद्रमा	सितंबर 25 2029
मंगल	सितंबर 01 2030
राहु	जनवरी 24 2033

शनि	
रवि	जनवरी 27 2036
रवि	जनवरी 21 2052
शनि	जनवरी 27 2036
बुध	अक्टूबर 05 2038
केतु	नवंबर 14 2039
शुक्र	जनवरी 13 2043
सूर्य	दिसंबर 26 2043
चंद्रमा	जुलाई 26 2045
मंगल	सितंबर 04 2046
राहु	जुलाई 10 2049
बृहस्पति	जनवरी 21 2052

बुध	
गुरु	जून 18 2054
मंगल	जनवरी 15 2069
बुध	जून 18 2054
केतु	जून 15 2055
शुक्र	अप्रैल 14 2058
सूर्य	फरवरी 18 2059
चंद्रमा	जुलाई 19 2060
मंगल	जुलाई 16 2061
राहु	फरवरी 02 2064
बृहस्पति	मई 09 2066
शनि	जनवरी 15 2069

केतु	
गुरु	जून 13 2069
बुद्ध	जनवरी 15 2076
केतु	जून 13 2069
शुक्र	अगस्त 13 2070
सूर्य	दिसंबर 19 2070
चंद्रमा	जुलाई 20 2071
मंगल	दिसंबर 16 2071
राहु	जनवरी 02 2073
बृहस्पति	दिसंबर 09 2073
शनि	जनवरी 18 2075
बुध	जनवरी 15 2076

शुक्र	
मंगल	मई 16 2079
मंगल	जनवरी 10 2096
शुक्र	मई 16 2079
सूर्य	मई 15 2080
चंद्रमा	जनवरी 13 2082
मंगल	मार्च 15 2083
राहु	मार्च 14 2086
बृहस्पति	नवंबर 11 2088
शनि	जनवरी 11 2092
बुध	नवंबर 10 2094
केतु	जनवरी 10 2096

विंशोत्तरी दशा - 2

सूर्य		चंद्रमा		मंगल	
रवि	अप्रैल 29 2096	शनि	नवंबर 11 2102	मंगल	जून 07 2112
बुध	जनवरी 11 2102	रवि	जनवरी 10 2112	सोम	जनवरी 09 2119
सूर्य	अप्रैल 29 2096	चंद्रमा	नवंबर 11 2102	मंगल	जून 07 2112
चंद्रमा	अक्टूबर 29 2096	मंगल	जून 12 2103	राहु	जून 25 2113
मंगल	मार्च 06 2097	राहु	दिसंबर 11 2104	बृहस्पति	जून 01 2114
राहु	जनवरी 29 2098	बृहस्पति	अप्रैल 12 2106	शनि	जुलाई 11 2115
बृहस्पति	नवंबर 17 2098	शनि	नवंबर 11 2107	बुध	जुलाई 07 2116
शनि	अक्टूबर 30 2099	बुध	अप्रैल 11 2109	केतु	दिसंबर 03 2116
बुध	सितंबर 05 2100	केतु	नवंबर 10 2109	शुक्र	फरवरी 02 2118
केतु	जनवरी 11 2101	शुक्र	जुलाई 11 2111	सूर्य	जून 10 2118
शुक्र	जनवरी 11 2102	सूर्य	जनवरी 10 2112	चंद्रमा	जनवरी 09 2119

वर्तमान चल रही दशा

दशा नाम	ग्रहों	आरंभ करने की तिथि	अंतिम तिथि
महादशा	बृहस्पति	मंगल जनवरी 31 2017 रात 12:00 बजे	सोम जनवरी 31 2033 रात 12:00 बजे
अंतर्दशा	केतु	रवि जनवरी 07 2024 सुबह 9:36 बजे	शुक्र दिसंबर 13 2024 सुबह 7:12 बजे
पर्यातर्दशा	बृहस्पति	गुरु जुलाई 18 2024 दोपहर 1:50 बजे	सोम सितंबर 02 2024 रात 12:43 बजे
शुक्रशमदाशा	बृहस्पति	गुरु जुलाई 18 2024 दोपहर 1:50 बजे	बुध जुलाई 24 2024 दोपहर 3:17 बजे
प्रणादशा	राहु	मंगल जुलाई 23 2024 शाम 5:28 बजे	बुध जुलाई 24 2024 दोपहर 3:17 बजे

* नोट: सभी तिथियां दशा की समाप्ति तिथि दर्शाती हैं।

लग्न रिपोर्ट

लग्न रिपोर्ट : वृषभ



विशेषताएँ	स्थिर, पार्थिव, दक्षिण
भाग्यशाली रत्न	डायमंड
भगवान	शुक्र
प्रतीक	साँड़
उपवास का दिन	शुक्रवार

|ॐ अश्वधजाय विश्वहे धनुर् हस्ताय धीमहि तत्त्वो शुक्रः प्रचोदयात् ।।

आप एक भारी निर्माण के साथ अच्छे दिख रहे हैं। आपकी आंखें प्रमुख होंगी और आकर्षक दिखेंगी। आप अपने निर्णय में दृढ़ हैं और विलासिता के शौकीन होंगे। आप अच्छी याददाश्त और बुद्धि के साथ सहज हैं। यदि आपके पास अच्छा है ग्रहों की युति या राज योग (अनुकूल योग) के अधिकारी, आप भाग्यशाली होंगे और संगीत, कला, नृत्य और अभिनय के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करेंगे।

आपका दृढ़ संकल्प अटल है, और आप अपनी आकांक्षाओं को दृढ़ समर्पण के साथ आगे बढ़ाते हैं। आप स्थिरता, भौतिक सफलता और सुरक्षित स्थिति को गहराई से महत्व देते हैं।

जबसे भगवन लग्नेश 8 गृह मे है। आप दर्शनशास्त्र में अत्यधिक रुचि लेंगे। वे इसमें इतनी रुचि रखते हैं कि वे लोगों को इसके बारे में सिखाने में सक्षम होना चाहते हैं। आप एक गुप्त प्रेम संबंध में शामिल हो सकते हैं। आपको सतर्क रहना होगा। आपके पास है यहां तककि विवाह या आपके जीवनसाथी से भी बड़े लाभ प्राप्त हुए।

लग्न रिपोर्ट

आध्यात्मिक सलाह

अपनी आध्यात्मिक यात्रा में, शांति की तलाश करें और जीवन की सरल खुशियों की सराहना करें। पृथ्वी की ऊर्जा से जुड़ें।

सकारात्मक लक्षण

विश्वसनीय

धैर्यवान

व्यावहारिक

दृढ़निश्चयी

नकारात्मक लक्षण

जिद्दी

अधिकारवादी

भौतिकवादी

अनम्य



धन्यवाद



पुजारी जी

किसी भी प्रश्न के लिए कृपया संपर्क करें